वैश्विक जैव प्रौद्योगिकी केंद्र के रूप में भारत

स्रोत: पी.आई.बी

भारत ने नई दिल्ली में आयोजित इंटरनेशनल सेंटर फॉर जेनेटिक इंजीनियरिंग एंड बायोटेक्नोलॉजी (ICGEB) बैठक में वैश्विक जैव प्रौद्योगिकी क्षेत्र में अपनी बढ़ती प्रतिष्ठा का प्रदर्शन किया।

- भारत ने **DST-ICGEB बायो-फाउंड्री** का उद्घाटन किया, जो सार्वजनिक वित्तपोषित अपनी तरह की पहली सुविधा है। यह मंच **जैव-आधारित नवाचारों को बढ़ाने,** स्टार्टअप्स और शोधकर्त्ताओं को सहयोग देने के लिये बनाया गया है।
- **ICGEB, जिसकी स्थापना वर्ष 1983 में हुई थी,** एक प्रमुख अंतर-सरकारी संगठन है, जिसमें **69 सदस्य देश** हैं और इसके केंद्र **नई दिल्ली, ट्रिएस्ट और केप टाउन** में स्थित हैं।
    - BioE3 नीति (आर्थिक, पर्यावरणीय और रोज़गार के लिये जैव प्रौद्योगिकी) के तहत भारत का उद्देश्य एक मज़बूत **बायो-मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम** बनाना है।
    - **भारत की जैव अर्थव्यवस्था 10 बिलियन अमेरिकी डॉलर (2014) से बढ़कर 165.7 बिलियन अमेरिकी डॉलर (2024) हो गई है** तथा वर्ष **2030 तक 300 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुँचने का लक्ष्य रखा गया है**।
- भारत वैश्विक स्तर पर **जैव प्रौद्योगिकी में 12वें, एशिया-प्रशांत क्षेत्र में तीसरे स्थान पर है** और यह विश्व का सबसे बड़ा **वैक्सीन** निर्माता है। **वर्ष 2024 में भारत में 10,000 से अधिक बायोटेक स्टार्टअप्स हैं,** जो **वर्ष 2014 में केवल 50 थे।**
- **प्रमुख उपलब्धियाँ:**
    - ZyCoV-D- मिशन कोविड सुरक्षा के तहत विकसित विश्व की पहली DNA आधारित कोविड वैक्सीन।
    - **नैफिथ्रोमाइसिन,** देश का पहला स्वदेशी मैक्रोलाइड एंटीबायोटिक।
    - गर्भाशय-ग्रीवा कैंसर की रोकथाम में सहायता के लिये **क्वाड्रिवेलेंट ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (qHPV) वैक्सीन CERVAVAC** विकसित की गई है।
    - **न्यूमोकोकल कंजुगेट वैक्सीन (PCV)** न्यूमोसिल को विशेष रूप से बच्चों में **निमोनिया, मेनिन्जाइटिस और सेप्सिस** जैसे न्यूमोकोकल रोगों से बचाने के लिये विकसित किया गया है।

और पढ़ें: भारत में BioE3 नीति और जैव प्रौद्योगिकी

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/india-as-a-global-biotechnology-hub